20% तक महंगा हुआ क्राफ्ट पेपर, बॉक्स इंडस्ट्री की मुसीबत

सूरत. कोरोना के साल में देश की क्राफ्ट पेपर मिलों में कच्चे माल के लगातार बढ़ते भाव, चीन से आयात पर रोक और अन्य स्रोतों से कोरोगेटेड बॉक्स इंडस्ट्री की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हाल में कोरोगेटेड बॉक्स इंडस्ट्री में उत्पादन लागत 20 फीसदी तक बढ़ गई है। इससे अकेले सूरत कपड़ा उद्योग में 80-100 करोड़ का बोझ बढ़ेगा। देशभर में कोरोगेटेड ऑटोमैटिक यूनिट 350 व 10 हजार सेमीऑटोमैटिक यूनिट हैं, जहां छह लाख लोग रोजगार पा रहे हैं। सालाना उत्पादन 60 लाख टन तथा 24 हजार करोड़ का कारोबार है। कोरोगेटेड बॉक्स की हर उत्पादन में जबरदस्त डिमांड है। लॉकडाउन के दौरान यूरोप, यूएसए में वेस्ट पेपर का उत्पादन बंद रहा और पेट्रो वेस्ट से क्राफ्ट पेपर बनने के चलते खाड़ी देशों से कच्चा माल चीनी कंपनियों ने पहले ही जमा कर लिया। अब चीन से आयात पर रोक लगी हुई है।